विषय: 'आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य' में 'शख़्सियत से मुलाक़ात' शृंखला

दिनांक: 30/9/21

नई दिल्ली, 30 सितंबर, 2021, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, हिंदी और हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की हिंदी साहित्य सभा 'मंथन' द्वारा 'आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य' में 'शख़्सियत से मुलाक़ात' शृंखला का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की मुख्या वक्ता पत्रकार और साहित्यकार गीताश्री थी। कार्यक्रम की शुरुआत विभाग प्रभारी डॉ. अंजु ने अपने स्वागत वक्तव्य के साथ की।

गीताश्री ने अपने व्याख्यान के दौरान बचपन के किस्से, पत्रकार और साहित्यकार बनने की चुनौती के साथ-साथ सामाजिक समस्या और उनके प्रभाव के बारे में बात की । उन्होंने कहा मैं एक स्त्री हूँ; सामंती समाज से निकल कर आई हूँ। मैंने घोर पाबंदी और लड़की होने का दंश भी झेला है। अपनी बात कहने और प्रतिरोध जताने का जरिया मेरे लिए कहानी है, इसलिए स्त्री मुक्ति की धमक स्वाभाविक है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी एवं शिक्षकों द्वारा गीताश्री से पूछे गए प्रश्नों जबाब उन्होंने बड़ी बारीकी से दिया। अपने वक्तव्य से उन्होंनें सभी को प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के सभी विभागों के प्राध्यापक व विद्यार्थी मौजूद थे।

अंत में विभाग प्रभारी डॉ. अंजु बाला ने सबका आभार व्यक्त किया। इसके बाद मंथन सोसाइटी के संचालक महेंद्र प्रताप सिंह ने औपचारिक रूप से धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम का समापन किया ।